मानसिक मन्दन अथवा दुर्बलता
MENTAL RETARDATION

B.A – II – (H)
PAPER – III

मानसिक दुर्बलता मानसिक विकास के अधोसामान्य (Sub-normal) अवस्था को कहते हैं। प्राचीन में इसे मस्तिष्क की शक्तिहीनता या दिमागी कमजोरी के नाम से जाना जाता था, जिसका अर्थ बुद्धि का ह्रास या कमी होता है।

मानसिक दुर्बलता सही अर्थ में मानसिक विकास की एक अवस्था को कहते हैं। जो सामान्य स्तर से कम, अर्थात नीचे की अवस्था होती है।

मानसिक दुर्बलता को समझने के लिए विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा दी गई परिभाषा को समझना आवश्यक है।

1. ट्रेडगोल्ड के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता सीमित क्षमता की अवस्था अथवा रुका हुआ मस्तिष्कीय विकास है जिसके परिणामस्वरूप प्रभावित व्यक्ति परिपक्व होने पर भी अपने वातावरण के साथ अभियोजित होने अथवा अपने समुदाय की माँगों की पूर्ति करने में समर्थ नहीं होता तथा वह बिना किसी बाह्य अवलम्ब या देखरेख के अपना स्वतंत्र अस्तित्व को बनाए रखने में असमर्थ होता है।"

2. पेज के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता या न्यूनता अधोसामान्य मानसिक विकास की अवस्था को कहते हैं, जो जन्म के समय या प्रारम्भिक बाल्यावस्था से ही वर्तमान रहती है तथा जिसकी मुख्य विशेषता सीमित बुद्धि और सामाजिक अयोग्यता होती है।"

3. ट्रैंज के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता का अर्थ स्वतंत्र एवं एक जीवन व्यतीत करने के लिए कम से कम मात्रा में अपने सामान्य बुद्धि एवं निर्णय करने की क्षमता का अभाव है।"

4. अमेरिकी मनश्चिकित्सा संघ के अनुसार "मानसिक दुर्बलता अधोसामान्य बौद्धिक कार्य-क्षमता को कहते हैं, जिसकी उत्पत्ति विकास की अवधि में होती है तथा जिसका संबंध शिक्षण एवं सामाजिक अभियोजन या परिपक्वता अथवा दोनों के ह्रास से है।"

5. ग्रॉसमैन के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता स्पष्ट रूप से अधो-औसत बौद्धिक कार्यक्षमता है जो अभियोजित व्यवहार करने की क्षमता की कमी के साथ-साथ वर्तमान रहती है और जिसकी अभिव्यक्ति विकासात्मक अवधि में होती है।"

उपर्युक्त सभी परिभाषाओं में अमेरिकन एसोसिएशन ऑन मेन्टल डेफिसिएन्सी ने 1973 ई० के मैनुअल में जो परिभाषा दी है, वह इन दिनों सर्वाधिक मान्य और अच्छी परिभाषा मानी जाती है। इस परिभाषा में मानसिक दुर्बलता को औसत या सामान्य से नीचे के स्तर पर ही बुद्धि के विकास का अवरुद्ध हो जाना या सीमित होना बतलाया गया है। साथ ही, यह

स्पष्ट किया गया है कि बौद्धिक कार्यक्षमता में कमी के साथ-साथ अभियोजन-योग्य व्यवहारों में भी कमी होती है तथा कमी या न्यूनता की यह अवस्था विकास की अवधि में ही, अर्थात बाल्यावस्था में ही, दृष्टिगोचर होने लगती है।

मानसिक दुर्बलता के कारण :—

(क) जैविक कारण (Biological Causes) :— मानसिक दुर्बलता या मन्दन होने के कारणों में एक मुख्य कारण जैविक कारण भी है। अतः इन्हें पूर्वप्राकृतिक कारण कहा जाता है। इन कारणों को निम्न भागों में विभाजित किया है :—

1. वंश परम्परा (Heredity) :— अधिकांश मनोवैज्ञानिकों ने मानसिक दुर्बलता का कारण वंश परम्परा को माना है। जिनके माता-पिता दोनों या दोनों में से एक भी मानसिक दुर्बलता से पीड़ित होते हैं तो उनके बच्चे भी प्रायः इस रोग से पीड़ित होते हैं।

2. जन्म आघात (Birth Trauma) :— जन्म के समय या जन्म के बाद किसी कारणवश मस्तिष्क को आघात पहुँचने से बच्चे की मानसिक क्षमताओं का विकास रुक जाता है। अतः यह एक प्रधान कारण है।

Next day.

Hrishi Kesh lal
Deptt - Psychology.
B.M.C. Rajhika.